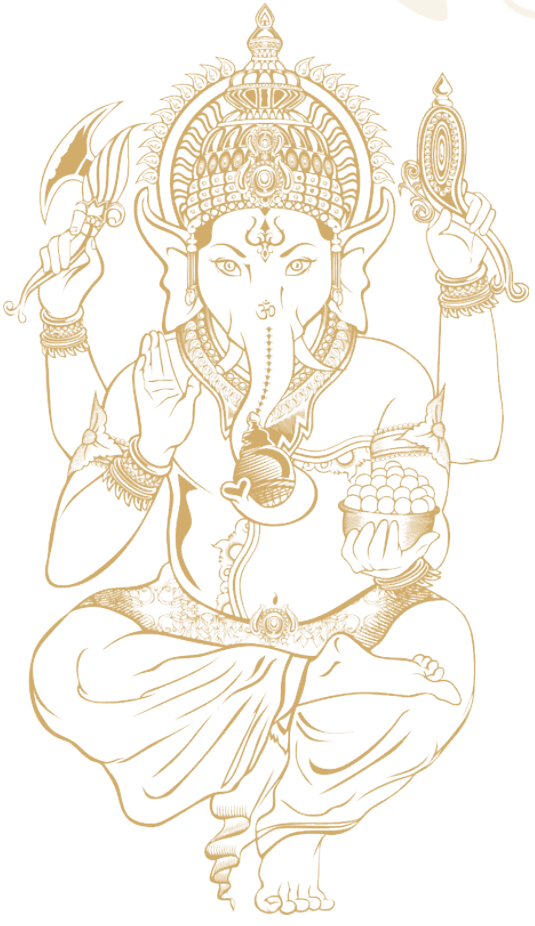

Mr.sandesh

Ms.Meenal

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119343606

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
20/01/1995	जन्म तिथि	22/08/1998
शुक्रवार	दिन	शनिवार
घंटे 21:22:00	जन्म समय	17:35:00 घंटे
घटी 35:13:08	जन्म समय(घटी)	28:54:04 घटी
India	देश	India
Jaipur	स्थान	Gwalior
26:53:00 उत्तर	अक्षांश	26:12:00 उत्तर
75:50:00 पूर्व	रेखांश	78:09:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:40	स्थानिक संस्कार	-00:17:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:16:44	सूर्योदय	05:52:51
17:58:37	सूर्यास्त	18:47:21
23:47:29	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:10

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 7वर्ष 5मा 12दि		21:23:44	सिंह	लग्न	मक	14:25:50	केतु 1वर्ष 7मा 25दि	
राहु		06:19:47	मक	सूर्य	सिंह	05:21:53	सूर्य	
03/07/2025		21:41:59	सिंह	चंद्र	सिंह	10:10:56	17/04/2020	
04/07/2043		06:47:22	सिंह व	मंगल	कर्क	07:15:35	18/04/2026	
राहु	16/03/2028	24:58:06	मक	बुध व	कर्क	22:15:23	सूर्य	05/08/2020
गुरु	09/08/2030	14:39:18	वृश्चि	गुरु व	मीन	02:15:34	चन्द्र	04/02/2021
शनि	15/06/2033	19:37:21	वृश्चि	शुक्र	कर्क	17:19:08	मंगल	12/06/2021
बुध	02/01/2036	16:02:52	कुंभ	शनि व	मेष	09:45:10	राहु	06/05/2022
केतु	20/01/2037	17:11:58	तुला व	राहु	सिंह	07:37:06	गुरु	22/02/2023
शुक्र	21/01/2040	17:11:58	मेष व	केतु	कुंभ	07:37:06	शनि	04/02/2024
सूर्य	14/12/2040	02:50:04	मक	हर्ष व	मक	16:10:58	बुध	11/12/2024
चन्द्र	15/06/2042	29:31:10	धनु	नेप व	मक	06:10:32	केतु	18/04/2025
मंगल	04/07/2043	06:17:23	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	11:28:15	शुक्र	18/04/2026

लग्न-चलित

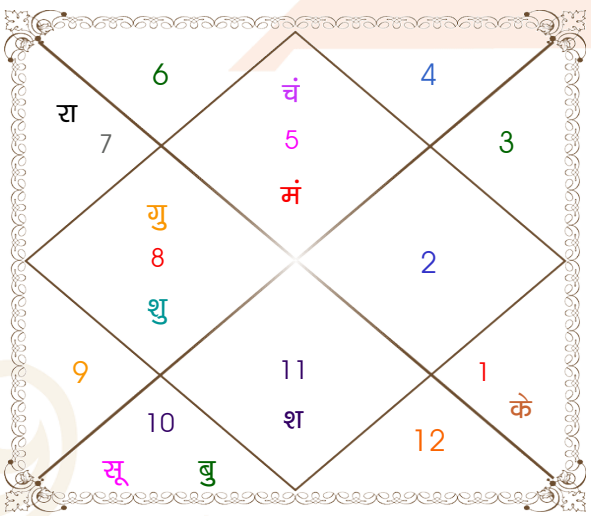

लग्न-चलित

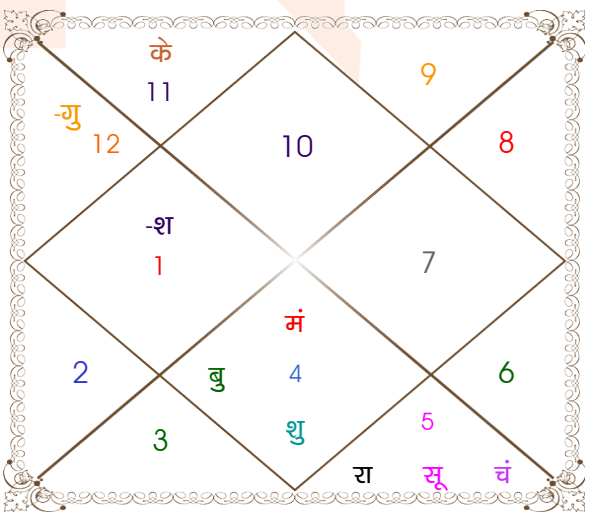

Pulak Sagarm - Hastrekha,Jyotish & Vastu
T - 13,Cosmo Tower,hanuman Chauraha
Jankganj, Gwalior pin code 474001

9425187186,9302614644
Astrodr.hcjain @gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	वनचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मूषक	मूषक	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	सूर्य	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	सिंह	सिंह	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	30.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

Mr.sandesh का वर्ग श्वान है तथा Ms.Meenal का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.sandesh और Ms.Meenal का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.sandesh मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Mr.sandesh कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.Meenal मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms.Meenal कि कुण्डली में सप्तम् भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms.Meenal कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि Ms.Meenal कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Mr.sandesh कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr.sandesh कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.sandesh तथा Ms.Meenal में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।